Defence Supplies in the Ministry of Defence (Shri Hathi): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, sir;

(c) 18th August, 1965;

(d) the matter was under examination of Government of Maharashtra and their reply has now been received.

(e) The reply of the State Government is under examination and further course of action will be decided in the light of the legal opinion.

गांधी हरिजन विद्यालय मदनगिर

3804. **श्री बड़े :**
श्री युद्धवीर सिंह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री ओंकार सिंह :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 1 अगस्त, 1966 के "हिन्दुस्तान" में प्रकाशित इस समाचार की ओर दिलाया गया है कि दिल्ली स्कूल अध्यापक संघ की बैठक में यह कहा गया था कि मदनगिर कैम्प में गांधी हरिजन विद्यालय का भवन इतनी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है कि वर्षा के दिनों में 600 विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के जीवन को खतरा है ;

(ख) क्या अध्यापकों के प्रति दुर्व्यवहार तथा वेतन का भुगतान न किये जाने के बारे में भी शिकायतें प्राप्त हुई हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस मामले में क्या कार्यवाही की गई है ?

शिक्षा मंत्री (श्री भू० क० चायला) : (क) जी हां । दिल्ली नगर निगम ने सूचना दी है कि भवन का कुछ भाग भारी वर्षा के कारण गिर गया है और स्कूल को अस्थायी तौर पर दूसरी जगह ले जाया गया है ।

(ख) और (ग). हाल ही में दिल्ली नगर निगम को एक अध्यापक को वेतन न देने के सम्बन्ध में शिकायत प्राप्त हुई थी और निगम ने इस मामले पर स्कूल प्रबन्धकों से बातचीत की है ।

सरकारी संस्थाओं में अवैतनिक कार्य

3805. **श्री ओंकार सिंह :**
श्री बड़े :
श्री युद्धवीर सिंह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ सामाजिक कार्यकर्ता देश में कुछ सरकारी संस्थाओं में, अर्थात् होम गार्डस, रेड क्रास और सेंट जांन एम्बूलेंस ब्रिगेड आदि, में बिना कोई वेतन लिये सेवा करते हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि यद्यपि वे देश पर संकट पड़ने के समय बिना वेतन लिये काम करते हैं, किन्तु उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है; और

(ग) यदि हां, तो सामाजिक कार्यकर्ताओं की कठिनाइयों को दूर करने के लिए क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री पू० शे० नाइकर) : (क) उक्त संस्थाएं अर्थात् होम गार्ड्स, रैडक्रास ऐंड सेंट जोन ऐम्बुलेंस ब्रिगेड स्वयंसेवी संस्थाएं हैं और जो लोग इनमें शामिल हुए हैं स्वेच्छा कार्य करते हैं ।

(ख) ऐसी कोई शिकायतें प्राप्त नहीं हुई ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।